

पाण्डुलिपिविज्ञान (Manuscriptology)

पुरातत्त्वशास्त्र की एक शाखा है जिसमें प्राचीन तालपत्र पाण्डुलिपियों, कागज पर लिखी दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पुरालेखविद्या तथा जल के भीतर के पुरातत्त्व का अध्ययन किया जाता है।

पाण्डुलिपियां ऐतिहासिक रिकॉर्डों जैसे शिलालेखों, फरमानों, राजस्व अभिलेखों से भिन्न होती है जो इतिहास में घटनाओं अथवा प्रक्रियाओं के संबंध में सीधी सूचना प्रदान करते हैं।
पाण्डुलिपियों में ज्ञान निहित होता है।



छापाखाना के आविष्कार के पूर्व भोजपत्र तथा हाथ से बने कागज पर हाथ से सुंदर अक्षरों में लिखकर पुस्तकें तैयार की जाती थी, इन्हे ही पाण्डुलिपि कहते हैं। भारत में विभिन्न भाषाओं में इन्हें तैयार किया गया है साथ ही यह हमारे पूर्वजों के दुर्लभ ज्ञान का अक्षुण्ण भंडार थी। इनका अध्ययन करके आसानी से ज्ञान प्राप्त किया जा सकता था।